सब जीते जी के झगडे हैं | By Sardar Romi

सब जीते जी के झगडे हैं ये मेरा है वो तेरा है
जब तन से स्वासें निकल गई क्या तेरा है क्या मेरा है

हम से पहले यहाँ कितनो का सब माल खज़ाना छूट गया
देखा सबने कोई अपना ही आकर के उनको लूट गया
जिस दिन तू जग से जाएगा कोई साथ न तेरे आएगा
तेरे अपने चिता सजायेंगे कोई अपना आग दिखायेगा
सब जीते जी के झगडे हैं

झूठे रिश्ते झूठे नाते झूठी बातों में खोया है
इस झूठी दुनिया में फँस कर हर इंसान एक दिन रोया है
तेरी क्या जग में हस्ती है ये बेईमानो की बस्ती है
तुझको भी भुला देगी प्यारे ये दो पल रोकर हंसती है
सब जीते जी के झगडे हैं

प्रभु ने जो स्वासें दी तुझको इनको ना व्यर्थ गंवाया कर
कुछ पल फुर्सत के लेकर के श्री श्याम शरण में आया कर
उस प्रभु कर हर पल शुक्र करें हम स्वास स्वांस में ज़िकर करें
रोमी जब संग है सांवरिया किस बात का हम फिर फ़िक्र करें
सब जीते जी के झगडे हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%ac-%e0%a4%9c%e0%a5%80%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9d%e0%a4%97%e0%a4%a1%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-by-sardar-romi/